KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna - 6
Mob. : 8877918018, 8757354880

BPSC- Bihar Geography

By : Khan Sir
(मानचित्र विशेषज्ञ)

बिहार : भौगोलिक स्थिति एवं उच्चावच
(Bihar : Geographical Location and Relief)

☞ बिहार के भौगोलिक परिदृश्य के बारे में जानने के लिए सबसे पहले बिहार के भौगोलिक स्थिति व उच्चावच का जानना आवश्यक है। बिहार के भौगोलिक स्थिति व उच्चावच में काफी भिन्नता पाई जाती है। यहाँ पर पर्वत, पठार, मैदान और उच्चावच मिलकर बिहार की भौगोलिक संरचना को सुदृढ़ रूप प्रदान करते हैं।

❖ **बिहार की भौगोलिक स्थिति**
(Geographical location of Bihar) :-

☞ **अवस्थिति –**	बिहार भारत के उत्तर पूर्वी भाग में तथा कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है।
☞ **आकार -**	आयताकार
☞ **अक्षांशीय विस्तार-**	24°20'10" से 27°31'15" उत्तरी अक्षांश (3° का अंतर)
☞ **देशांतरीय विस्तार–**	83°19'50" से 88°17'40" पूर्वी देशांतर (5° का अंतर)
☞ **उत्तर से दक्षिण लम्बाई-**	345 किमी.
☞ **पूर्व से पश्चिम लम्बाई-**	483 किमी.
☞ **क्षेत्रफल**	94,163 वर्ग किमी., भारत के क्षेत्रफल का 2.86% (जम्मू-कश्मीर राज्य के पुनर्गठन के बाद 12वां स्थान)
☞ **सीमावर्ती देश**	नेपाल (729 किमी. सीमा)- उत्तर में.
☞ **सीमावर्ती राज्य**	पश्चिम बंगाल (पूर्व), उत्तर प्रदेश (पश्चिम), झारखण्ड (दक्षिण)
☞ **समुद्र तल से औसत ऊंचाई-**	173 फीट (53 मीटर); यह गंगा हुगली नदी मार्ग द्वारा समुद्र से जुड़ा है।
☞ **समुद्र तट से दूरी**	लगभग 200 किमी.

भूगर्भिक संरचना
(Geological Structure)

☞ बिहार में प्री-कैंब्रियन काल से लेकर चतुर्थ कल्प तक के चट्टानों का विस्तार है।

☞ उत्तरी मैदानी व तराई क्षेत्र का निर्माण मध्यजीव महाकल्प में, तथा मध्यवर्ती गंगा मैदान चतुर्थ कल्प में तथा दक्षिणी पठारी भाग (गोंडवाना लैंड का हिस्सा) का निर्माण-कैंब्रियन काल में।

☞ दक्षिण पठारी भाग संरचनात्मक दृष्टि से बिहार की प्राचनीतम संरचना है। इसके उत्तरी भाग में विस्तृत नवीन जलोढ़ मैदान बिहार की नवीनतम संरचना है।

बिहार में भूगार्भिक संरचना के आधार पर चट्टानों का विभाजन

☞ बिहार में पाई जाने वाली चट्टानों को चार प्रमुख समूहों में रखा जाता है।

1. **धारवाड़ चट्टानें** -ये चट्टानें प्री-कैम्ब्रियन युग में निर्मित है। जो बिहार के दक्षिणी पूर्वी भाग में स्थित खड़गपुर की पहाड़ी, जमुई, नवादा, राजगीर, बोधगया (ब्रह्मयोनी हिल) इत्यादि स्थानों पर पाई जाती है। इसमें ग्रेनाइट, नीस, स्लेट, क्वार्ट्ज आदि समूह की चट्टानें पाई जाती है। ये चट्टानें जीवाश्म रहित होती है।
2. **विंध्य समूह की चट्टानें**- ये चट्टानें प्री-कैम्ब्रियन युग में निर्मित है। इस समूह की चट्टानें सोन नदी के उत्तर में स्थित रोहतास तथा कैमूर जिले में पाए जाते हैं। इन चट्टानों में चूनापत्थर, बलुआ पत्थर, पायराइट, डोलोमाइट आदि समूह की चट्टानें पाई जाती है। ये चट्टानें जीवाश्म रहित होते हैं। शेरशाह का मकबरा, सारनाथ स्तूप, सांची का बौद्ध स्तूप, दिल्ली का लाल किला व जामा मस्ज़िद का निर्माण में इसी समूह की चट्टानों का प्रयोग किया गया है।

3. **टर्शियरी चट्टानें** - टर्शियरी युग की चट्टानों का निर्माण मायोसीन से प्लीस्टोसीन काल में हुआ है। ये चट्टानें पश्चिम चम्पारण के रामनगर दून, सोमेश्वर श्रेणी तथा हिमालय तराई क्षेत्र में पाए जाते हैं।
4. **क्वाटर्नरी चट्टानें**- इन चट्टानों का निर्माण प्लीस्टोसीन काल में हुआ। ये चट्टानें जलोढ़, बालू बजरी, बालू पत्थर, कांग्लोमरेट आदि द्वारा निर्मित है। इन चट्टानों का निर्माण टेथिस सागर के अवसादों तथा गंगा व उसकी सहायक नदियों द्वारा लाए गए अवसादों से निर्मित है।

☞ नदियों द्वारा निक्षेपण के कारण यहाँ मंद ढाल वाले विशाल मैदान का निर्माण हुआ है। जिसे बिहार का मैदान कहा जाता है। यह अत्यधिक उपजाऊ होता है।

☞ पूरे बिहार के मैदानी भागों में जलोढ़ की गहराई एक सामान्य नहीं पाई जाती है। गंगा के दक्षिणी भाग में जलोढ़ की गहराई पहाड़ियों के निकट अपेक्षाकृत कम पाई जाती है जबकि पश्चिम की ओर बढ़ने पर इसकी गहराई बढ़ जाती है।

☞ गंगा के दक्षिण भाग में सबसे गहरे जलोढ़ बेसिन बक्सर तथा मोकामा के बीच पाए जाते हैं।

☞ मुजफ्फरपुर तथा सारण के मध्य जलोढ़ बेसिन की अधिकतम गहराई 1000 से 2500 मी. के बीच पाई जाती है।

बिहार में प्राकृतिक उच्चावच
(Natural Relief in Bihar)

☞ बिहार को भौतिक संरचना के आधार पर तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है-

1. **उत्तर का शिवालिक पर्वतीय क्षेत्र एवं तराई प्रदेश**- शिवालिक पर्वतीय क्षेत्र का विस्तार पश्चिमी चम्पारण की उत्तरी सीमा तक है। जिसका विस्तार 932 वर्ग किमी. क्षेत्र में है तथा जिसकी ऊँचाई 250-280 मी. है। शिवालिक के पर्वतीय प्रदेश को हिमालय का तृतीय मोड़ माना गया है।इसे निम्न उपवर्गों में विभाजित किया गया है-

❖ **सोमेश्वर श्रेणी–** इसका विस्तार उत्तर-पश्चिम में त्रिवेणी नहर के शीर्ष भाग से भिखना ठोरी दर्रे तक लगभग 75 वर्ग किमी. तक है। यह बिहार के नवीनतम संरचना है। यह नेपाल से बिहार को अलग करता है। इसकी सर्वोच्च चोटी फोर्ट सोमेश्वर (874 मी.) तथा प्रमुख दर्रे सोमेश्वर, भिखना ठोरी दर्रा तथा मवात दर्रा आदि है। इन दर्रो से भारत एवं नेपाल के मध्य सम्पर्क मार्ग का निर्माण हुआ है।

❖ **हरहा घाटी या दून घाटी–** इसका विस्तार सोमेश्वर श्रेणी तथा रामनगर दून के मध्य 24 किमी. लम्बा है। इस घाटी की अधिकतम ऊँचाई 240 मी. है। यह जलोढ़ मैदान का भाग है।

❖ **रामनगर दून–** यह सोमेश्वर श्रेणी के दक्षिण में अवस्थिति है। यह 214 वर्गकिमी. में फैला हुआ है। संतपुर के निकट इस दून की अधिकतम ऊंचाई 242 मीटर है।

❖ **तराई प्रदेश–** यह शिवालिक श्रेणी के दक्षिण तथा गंगा के मैदानी भाग के उत्तरी सीमा (भारत-नेपाल) पर स्थित है। यहाँ 150-200 सेमी. वर्षा होने के कारण घने वन एवं दलदली भूमि का विकास हुआ है। यह क्षेत्र बिहार का सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करता है। उत्तर पूर्वी तराई प्रदेश का विस्तार अररिया, किशनगंज, पूर्णिया तक है।

2. **गंगा का मैदान :** गंगा का मैदान बिहार के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 96.27% है। यह उत्तर में शिवालिक श्रेणी से लेकर दक्षिण में छोटानागपुर के पठार तक फैला हुआ है। गंगा नदी बिहार के मैदानी भू-भाग को दो भागों में विभाजित करती है-

(i) **उत्तरी गंगा का मैदान :** इसका निर्माण गंगा की सहायक नदियों गंडक, बूढ़ी गंडक, घाघरा, कोसी, बागमती और महानंदा द्वारा जमा किये अवसाद से है। इसकी ढाल उत्तर से दक्षिण की ओर तथा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर मिलता है। इसका विस्तार पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सिवान, गोपालगंज, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, सहरसा, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर आदि जिलों में है।

(ii) **दक्षिणी गंगा का मैदान** - इसका विस्तार 33,670 वर्ग किमी. में गंगा नदी के दक्षिण से छोटानागपुर पठार के उत्तरी भाग तक विस्तृत है।

☞ पश्चिम से पूर्व की ओर जाने पर चौड़ाई में कमी आती है।

☞ दक्षिणी बिहार क्षेत्र के पठारी भाग एवं पहाड़ियों से होकर प्रवाहित होने वाली नदियों द्वारा लाए गये अवसादों के निक्षेपण से इस मैदान का निर्माण हुआ है।

☞ इस मैदान में बहने वाली प्रमुख नदियाँ सोन, पुनपुन, कर्मनाशा तथा फाल्गु है। हालांकि यह मैदान समतल है परंतु कहीं-कहीं गया, राजगीर, खड़गपुर, गिरीयक तथा बराबर की पहाड़ियाँ इसकी एकरूपता को भंग कर देती है। इस मैदान में कांप मिट्टी पाई जाती है।

3. दक्षिण का संकीर्ण पठारी क्षेत्र – यह बिहार का सबसे प्राचीन भूखंड है। इसका विस्तार पश्चिम में कैमूर जिला से पूर्व में मुंगेर व बांका जिला तक है। इसका विभाजन निम्न प्रकार से हुआ है।

(i) कैमूर पठार– यह बिहार के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है जो विंध्य पर्वत का भाग है। इसका विस्तार जबलपुर (मध्य प्रदेश) से रोहतास (बिहार) तक विस्तृत है। अपरदन के कारण उबड़-खाबड़ सतह का निर्माण हुआ है। यह सोन नदी द्वारा छोटानागपुर पठार से पृथक होता है।

(ii) खड़गपुर पहाड़ी– यह भूतात्विक दृष्टि से अत्यंत प्राचीन पहाड़ी (धारवाड़ क्रम की चट्टानों) है जो कोडरमा पठार के उत्तर-पूर्व में स्थित है। इसका विस्तार पूर्व में बांका जिला एवं दक्षिण में जमुई जिला तक विस्तृत है।

स्मरणीय तथ्य

- ❖ धारवाड़ क्रम की चट्टानें, मुंगेर, जमुई, नवादा तथा राजगीर में पाई जाती हैं।
- ❖ टर्शियरी क्रम की चट्टानें पश्चिमी चंपारण जिले में पाई जाती हैं।
- ❖ क्वार्टनरी चट्टानें मुख्यत: आरा, डुमरांव (बक्सर), बिहटा, पुनपुन, मोकामा (पटना), मुजफ्फरपुर तथा सारण में पाई जाती हैं।
- ❖ उत्तरी गंगा के मैदान का ढाल उत्तर से दक्षिण की ओर तथा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर मिलता है।
- ❖ दक्षिणी गंगा का मैदान, उत्तरी गंगा के मैदान से अपेक्षाकृत समतल है तथा इसमें कॉप मिट्टी (पीली दोमट) की प्रधानता है।
- ❖ उत्तरी गंगा के मैदान में दलदली भूमि तथा झीलों की बहुलता है।
- ❖ कटिहार, बिहार के सबसे पूर्वी भाग में स्थित है।
- ❖ भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के बिहार का वर्तमान क्रम 13वाँ है। विदित हो कि तेलंगाना के नया राज्य बनने से पहले बिहार 12वें स्थान पर था।
- ❖ बिहार की सीमा से लगने वाले तीन राज्य हैं– उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल। विभाजन पूर्व बिहार की सीमा चार राज्यों को स्पर्श करती थी।
- ❖ बिहार की सोमेश्वर पहाड़ी तीन पहाड़ियों– पारसनाथ पहाड़ी, राजमहल पहाड़ी और खड़गपुर पहाड़ी से नई है।
- ❖ बिहार स्थित खड़गपुर पहाड़ी भूतात्त्विक दृष्टि से अपेक्षाकृत सबसे पुरानी है।
- ❖ बिहार का तराई प्रदेश भारत-नेपाल सीमा के समानांतर स्थित है।
- ❖ धारवाड़ भूस्तरीय रचना वाला जिला मुंगेर, जमुई, नवादा हैं।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. ब्रह्मयोनी हिल बिहार के किस जिले में है?
(a) गया (b) रोहतास
(c) नालंदा (d) नवादा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre.), 2022

2. निम्न में से कौन सा जिला धारवाड़ भूस्तरीय रचना वाला नहीं है?
(a) मुंगेर (b) रोहतास
(c) जमुई (d) नवादा
65th BPSC (Pre.)

3. बिहार के निम्न हिस्सों में से कौन सा हिस्सा भूतात्त्विक दृष्टि से अपेक्षाकृत पुराना है?
(a) रोहतास पठार (b) उत्तर-पश्चिमी पहाड़ियाँ
(c) खड़गपुर पहाड़ियाँ (d) उत्तर-गंगा मैदान
64th BPSC (Pre.)

4. निम्नलिखित भू-आकृतियों में से किसके द्वारा बिहार राज्य का उत्तर-पश्चिमी भाग घिरा है?
(a) सोमेश्वरम पहाड़ी श्रेणी (b) कैमूर पठार
(c) नवादा पहाड़ी प्रदेश (d) राजगीर पहाड़ी प्रदेश
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
60-62nd BPSC (Pre.)

5. बिहार की सोमेश्वर पहाड़ी है–
(a) पारसनाथ पहाड़ी से पुरानी (b) राजमहल पहाड़ी से पुरानी
(c) खड़गपुर पहाड़ी से पुरानी (d) इन सभी से नही।
42nd BPSC (Pre.)

6. बिहार का तराई प्रदेश विस्तृत है–
(a) छोटानागपुर पठार के उत्तरी कगार के समानांतर
(b) भारत-नेपाल सीमा के समानांतर
(c) रोहतास पठार के पूर्वी कगार के समानांतर
(d) राजमहल पहाड़ियों की पश्चिमी सीमा के समानांतर
39th BPSC (Pre.)

7. निम्नलिखित में से बिहार का कौन-सा भू-आकृतिक खंड झारखंड के साथ अपनी सीमा साझा नहीं करता है?
(a) गंगा-सोन विभाजन (b) अंग मैदान
(c) मगध मैदान (d) मिथिला मैदान
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
Bihar CDPO (Pre.), 2017

8. निम्नलिखित देशांतर रेखाओं में से कौन-सी बिहार से होकर गुजरती है?
(a) 82½° (b) 86°
(c) 89° (d) 81°
Bihar CDPO (Pre.), 2005

बिहार की जलवायु एवं मृदा (Bihar Climate and Soil)

- बिहार की जलवायु में अन्य राज्यों की अपेक्षा क्षेत्रीय विविधता दिखाई देती है। यहां एक ही समय में कुछ क्षेत्र में बाढ़ आया रहता है जबकि दूसरे तरफ सूखा का प्रकोप रहता है। इस प्रकार की विविधता जलवायु द्वारा निर्धारित किया जाता है। जिसका स्पष्ट प्रभाव बिहार की मिट्टी पर भी पड़ता है।

❖ **जलवायु (Climate)**– बिहार में मानसुनी प्रकार की जलवायु पाई जाती है। बिहार उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु क्षेत्र में स्थित है। इसके पश्चिमी भाग में अर्द्धशुष्क तथा पूर्वी भाग में आर्द्र जलवायु मिलती है।

- यहाँ की जलवायु में महाद्वीपीय लक्षण पाए जाते हैं। कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के आधार पर बिहार का उत्तरी भाग CWG तथा AW जलवायु के अंतर्गत आता है। राज्य के उत्तरी भाग में हिमालय की स्थिति का प्रभाव बिहार के जलवायु पर पड़ता है।
- बंगाल की खाड़ी से होकर आने वाले बादल हिमालय से टकराकर वर्षा कराती है।
- शरद ऋतु में पछुआ विक्षोभ के कारण शीतोष्ण चक्रवातीय वर्षा का प्रभाव पड़ता है।
- बिहार के जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक- हिमालय की अवस्थिति, कर्क रेखा से दूरी, बंगाल की खाड़ी से इसकी निकटता, ग्रीष्मकालीन तूफान तथा दक्षिण-पश्चिम मानसून की क्रियाशीलता।
- बिहार के कृषि जलवायु क्षेत्र उत्तर-पश्चिम जोन में 12 जिले शामिल हैं जबकि उत्तर-पूर्व जोन में 8 जिले शामिल हैं तथा दक्षिण-पूर्व जोन में 6 जिले तथा दक्षिण-पश्चिम जोन में 11 जिले शामिल हैं।
- **बिहार में मुख्यत: तीन ऋतुएं पाई जाती है-**

(1) ग्रीष्म ऋतु (Summer Season) - मार्च से मध्य जून तक

- सूर्य के उत्तरायण होने के कारण इस समय तापमान में बढ़ोत्तरी हो जाती है। यहाँ मई का महिना सर्वाधिक गर्म होता है। ग्रीष्म ऋतु में बंगाल की खाड़ी से उत्पन्न होने वाले उष्णकटीबंधीय चक्रवातों के कारण बिहार के पूर्वी हिस्सों में बारिश होती है। इस वर्षा को 'नार्वेस्टर' कहा जाता है। बिहार का सर्वाधिक गर्म स्थान गया 47°C तथा सर्वाधिक ठंडा स्थान- गया।
- स्थानीय पवन- लू
- गर्म तथा शुष्क पछुआ पवन राज्य के पश्चिमी तथा मैदानी क्षेत्रों में तापमान बढ़ा देता है।

(2) वर्षा ऋतु (Rainy Season)– (मध्य जून से मध्य अक्टूबर तक)

- बिहार में मानसून का आगमन मध्य जून से होता है।
- यहाँ जुलाई एवं अगस्त में अत्यधिक वर्षा होती है।
- बिहार में वर्षा मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण होती है। यहाँ की औसत वर्षा 125 सेमी. है।
- यहाँ सर्वाधिक वर्षा (पूर्वी बिहार) किशनगंज जिले में जबकि सबसे कम वर्षा पटना के पश्चिम में स्थित त्रिकोणीय भूखंड पर होती है।
- उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम की ओर जाने पर वर्षा की मात्रा में कमी आती है।

(3) शीत ऋतु (Winter Season) – (नवंबर से फरवरी तक)

- इस ऋतु में भूमध्य सागरीय क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले चक्रवातीय तूफानों से झंझावातीय वर्षा होती है जो रबी फसल के लिए लाभदायक मानी जाती है।
- इस समय औसतन वर्षा 5-10 सेमी. होती है।
- बिहार में सर्वाधित ठंडे का महीना जनवरी का होता है। इस समय औसतन और न्यूनतम तापमान 7.5° C के आसपास रहता है।
- इस समय उत्तरीय पर्वतीय क्षेत्र, तराई क्षेत्र एवं दक्षिणी पठारी क्षेत्र में पाला का प्रभाव रहता है।

❖ **मृदा/मिट्टी (Soil)** –

बिहार की मृदा इस प्रकार हैं-

❖ **दलदली (पीडमोंड) या तराई क्षेत्र की मृदा-**

- यह मिट्टी बिहार की उत्तरी सीमा से लेकर पश्चिमी चंपारण की पहाड़ियों के साथ-साथ किशनगंज तक 5-7 किमी. की चौड़ी पट्टी के रूप में मिलती है। इसका रंग हल्का पीला तथा भूरा होता है। इस मिट्टी के ज्यादातर भागों में कंकड़ तथा रेत की मात्रा अधिक होती है। जिस कारण यह उपजाऊ नहीं होती है।

❖ **खादर या नवीन जलोढ़ मृदा**

- इस मिट्टी का विस्तार- सहरसा, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, चंपारण तथा पूर्णिया जिले के कोसी क्षेत्र में सर्वाधिक है।

☞ यह मिट्टी काफी उपजाऊ होती है जिस कारण इसमें धान, गेहूँ तथा जूट की खेती की जाती है। इसका रंग गाढ़ा काला होता है। यह गहरे भूरे रंग की होती है।

❖ **बलसुंदरी मृदा**

☞ यह पुरानी जलोढ़ मिट्टी है। इसमें चूने की मात्रा 30% से अधिक होती है। इस मिट्टी की प्रकृति क्षारीय तथा रंग हल्का भूरा या सफेद होता है।

☞ यह मिट्टी पूर्णिया के दक्षिण भाग से सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर के दक्षिणी भाग, समस्त सारण जिला तथा चम्पारण के दक्षिणी-पश्चिमी भाग में पाई जाती है।

☞ इस क्षेत्र में आम, लीची, केले के बगान मुख्य रूप से पाए जाते हैं।

☞ इस क्षेत्र की मुख्य फसलें धान, गेहूँ, मक्का, ईख, तंबाकू आदि है।

❖ **ताल मिट्टी**

☞ यह मिट्टी गंगा के दक्षिण तट से 8-10 किमी. चौड़ी पट्टी के रूप में मिलती है जो ताल के नाम से जानी जाती है।

☞ यह धूसर रंग की होती है जो काफी उपजाऊ होती है तथा रबी फसलों के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है।

❖ **पुरानी जलोढ़ या कैवाल मिट्टी**

☞ यह मिट्टी रोहतास, गया, औरंगाबाद, पटना, जहानाबाद, मुंगेर तथा भागलपुर के क्षेत्रों में मिलती है।

☞ यह गहरे पीले तथा भूरे रंग की होती है जो जल अधिक सोखती है।

☞ यह अम्लीय और क्षारीय दोनों प्रकार की होती है।

☞ इसकी उर्वरक क्षमता अत्यधिक होती है।

❖ **बालथर मृदा**

☞ यह मृदा बहुत कम मात्रा में पाया जाता है। गंगा के दक्षिण सीमा पर जिस स्थान से छोटानागपुर का पठारी क्षेत्र शुरू होता है वहाँ पाई जाती है।

☞ इसमें रेत तथा कंकड़ अधिक पाए जाते हैं।

☞ इसका रंग पीला तथा लाल होता है जो अम्लीय होती है। इसमें अरहर, ज्वार, कुर्थी, बाजरा की खेती की जाती है।

❖ **कगारी मृदा**

☞ यह मृदा नदियों के तट पर पाई जाती है।

☞ इसका विकास गंगा, सोन, पुनपुन आदि के तट पर हुआ है।

☞ इसका रंग हल्का भूरा होता है।

❖ **लाल एवं पीली मृदा**

☞ इस मृदा का निर्माण आग्नेय तथा रूपांतरित चट्टानों के टूटने से हुआ है। यह मुख्य रूप से बांका, नवादा, गया, औरंगाबाद, जमुई, मुंगेर तथा खड़गपुर के पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाती है।

❍❍❍

स्मरणीय तथ्य

❖ बिहार में मानसूनी प्रकार की जलवायु पाई जाती है।

❖ यहाँ मुख्यत: तीन ऋतुएँ (ग्रीष्म, वर्षा तथा शीत) पाई जाती है।

❖ यहाँ की मृदा को भौतिक, रासायनिक तथा संरचनात्मक विशेषताओं के आधार पर मुख्यत: तीन भागों (गंगा के उत्तरी मैदान की मृदा, गंगा के दक्षिणी मैदान की मृदा, दक्षिणी पठार की मृदा) में बाँटा जाता है।

❖ यहाँ शीत ऋतु का सर्वाधिक ठंडा महीना जनवरी का होता है।

❖ गंगा के उत्तरी मैदान की मृदा को दलदली या तराई क्षेत्र की मृदा, खादर या नवीन जलोढ़ मृदा, बलसुंदरी मृदा में विभाजित किया जाता है।

❖ ताल की मृदा, पुरानी जलोढ़ या कैवाल मृदा तथा बलथर मृदा गंगा के दक्षिणी मैदान की मृदा का उपविभाजन है।

❖ लाल और पीली मृदा, लाल बालुका युक्त मृदा दक्षिण पठार की मृदा का उपविभाजन है।

❖ सबसे गर्म जिला गया, जबकि सबसे अधिक वर्षा वाला जिला किशनगंज है।

❖ यहाँ मानसून का आगमन मध्य जून में होता है।

❖ कैवाल (पुरानी जलोढ़) की प्रकृति अम्लीय तथा क्षारीय दोनों तरह की होती है।

❖ कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के आधार पर बिहार का उत्तरी भाग Cwg वर्ग के अंतर्गत आता है।

❖ नदियों द्वारा लाए गए मृदा को जलोढ़ मिट्टी कहते हैं।

❖ बिहार का अधिकांश क्षेत्र कछारी मिट्टी से आच्छादित है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बिहार के किस कृषि जलवायु क्षेत्र में सबसे अधिक जिले हैं?

(a) उत्तर-पूर्व (b) उत्तर-पश्चिम
(c) दक्षिण-पूर्व (d) दक्षिण-पश्चिम
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre.), 2022

2. बिहार के निम्न जिलों में से किस जिले में ही पीड्मोंड स्वैंप मिट्टी पाई जाती है?

(a) मधुबनी (b) भागलपुर
(c) पश्चिमी चंपारण (d) सीमामढ़ी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th BPSC (Pre.)

3. बिहार का अधिकांश क्षेत्र आच्छादित है–

(a) पहाड़ी मिट्टी से (b) कछारी मिट्टी से
(c) रेगुर मिट्टी से (d) तराई मिट्टी से
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th BPSC (Pre.)

4. मुजफ्फरपुर, दरभंगा तथा चंपारण जिलों में कौन-सा मिट्टी अधिकांशत: पाई जाती है?

(a) काली मिट्टी (b) नवीन जलोढ़क

(c) प्राचीन जलोढ़क (d) लाल मिट्टी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63th BPSC (Pre.)

5. निम्नलिखित में से कौन-सी मिट्टी नदियों द्वारा निर्मित है?

(a) लाल मिट्टी (b) काली मिट्टी

(c) जलोढ़ मिट्टी (d) लैटेराइट मिट्टी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63th BPSC (Pre.)

6. बिहार में बाँगर मिट्टी मिलती है-

(a) गया, बोधगया, पूर्वी चंपारण, भागलपुर क्षेत्र में

(b) पूर्णिया, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर क्षेत्र में

(c) गया, नालंदा, बोधगया, सासाराम क्षेत्र में

(d) पूर्वी चंपारण, नालंदा, गया, सासाराम क्षेत्र में

46th BPSC (Pre.)

7. बिहार राज्य की औसत वार्षिक वर्षा है-

(a) 100 सेमी., से कम

(b) 50 सेमी. से 150 सेमी.

(c) 200 सेमी. से अधिक

(d) 100 सेमी. से 200 सेमी. के बीच

Bihar CDPO (Pre.), 2005

8. बिहार में किस प्रकार की जलवायु पाई जाती है?

(a) मानसूनी (b) उष्ण

(c) आर्द्र (d) शीत

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

9. कोपेन के जलवायु वर्गीकरण के आधार पर बिहार का उत्तरी भाग किस वर्ग के अंतर्गत आता है?

(a) Cwg (b) Aw

(c) Wcg (d) Awg

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

63th BPSC (Pre.)

10. 'ताल' की मिट्टी किस फसल के लिये उपयुक्त मानी जाती है?

(a) खरीफ की फसल

(b) रबी की फसल

(c) जायद की फसल

(d) व्यापारिक फसल

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

❍❍❍

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6
KHAN SIR